मूल्य - 5 रु.

तारांशु
मासिक

सितम्बर - अक्टूबर 2025
वर्ष 11, अंक 3, पृ.सं. 20

जुलाई, 2025 में रामनाथ कोविंद फाउंडेशन और तारा संस्थान उदयपुर के सयुंक्त रूप से दिल्ली में प्रथम विशाल निशुल्क EYE CAMP में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी

सेवा का विस्तार - तारा संस्थान ने बढ़ाया वृद्धाश्रम की ओर एक और कदम

(तारा संस्थान के मुख्यालय में निर्मित नया आनंद वृद्धाश्रम)

+91 9549399993
+91 9649399993

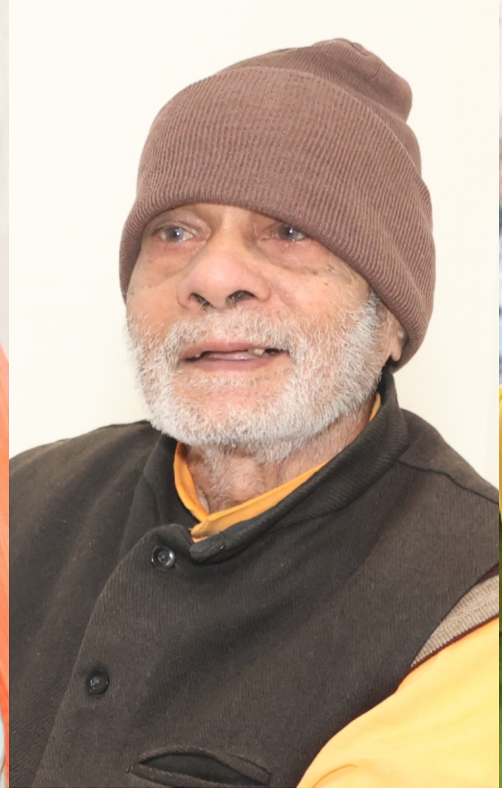

''आनन्द वृद्धाश्रमों हेतु भविष्य निधि योजना''

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति" **रु. 1,00,000/-**	**वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"** **रु. 51,000/-**	**वृद्धजन सहयोगी "आस्था"** **रु. 21,000/-**

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग) **1 वर्ष - 60000 रु., 6 माह - 30000 रु., 1 माह - 5000 रु.**	**वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन** **4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)**

काशी में कराएँ गरीबों को भोजन

संस्थान द्वारा काशी में गरीबों को भोजन

कहते हैं कि भूखे को भोजन करवाकर न सिर्फ मन वरन् अंतरात्मा भी संतृप्त होती है। आप भी

रु. 2100/-

दान देकर 50 निर्धन लोगों की क्षुधा शांत कर काशी विश्वनाथ की धरा वाराणसी में पुण्य लाभ कमा सकते हैं।

हर छोटा बदलाव बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है

''तारा संस्थान, उदयपुर'' राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक : 31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009 द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद :
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार :
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
परम विशिष्ट संरक्षक, तारा संस्थान
शिक्षाविद् व समाजसेवी, दिल्ली

संरक्षक मण्डल :

स्व. श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
दिल्ली

श्रीमती लता - श्री लक्ष्मण दास भाटिया
मुम्बई

श्री ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्री एस.एन. गोयल (एडवोकेट)
दिल्ली

श्री प्रेम सागर गुप्ता
मुम्बई

श्रीमती इला - श्री अनिल गोयल
दिल्ली

श्रीमती राजरानी - (स्व.) श्री राजेन्द्र कुमार जैन
दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक :
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक :
दीपेश मित्तल

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर :
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 11, अंक - 3, सितम्बर-अक्टूबर, 2025

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
योजनाएँ	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : मोक्ष प्रस्थान	04
सेवा का विस्तार - तारा संस्थान में बढ़ाया वृद्धाश्रम की ओर एक और कदम	05
अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस का विशेष आयोजन	06
विधवा मासिक पेंशन योजना / अन्नदान योजना	07
भारत के 15वें उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. का सम्मान / सेवा ही संकल्प - मोदी @75	08
जब शिक्षा ने बदली दो बहनों की दुनिया	09
उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल - लोनी (गाजियाबाद)	10
श्राद्ध पक्ष / नवरात्रि	11
मोतियाबिन्द ऑपरेशन से जीवन में नई चमक / आर.जी.एच.एस.	12
नया आशियाना, नई उम्मीदें - हमारे नए बुजुर्ग साथियों की कहानी	13
न्यूज़ इन ब्रीफ	14-15
नेत्रालय मासिक अपडेट्स / पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना / हार्दिक श्रद्धांजलि	16
अभिनन्दन	17-18
संपर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य माता पिता डॉ. कैलाश "मानव" तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सानिध्य में...

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उ़ोग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

जो रातों को कोशिशों में गंवा देते हैं, वहीं सपनों की चिंगारी को और हवा देते हैं

मोक्ष प्रस्थान

बद्री प्रसाद अग्रवाल

प्रेमा पाठक

हिंदू धर्म में यह आस्था और मान्यता सदियों से चली आ रही है कि काशी में देह त्यागने वाला व्यक्ति मोक्ष को प्राप्त करता है। इसी दिव्य आस्था को जीवन का उद्देश्य मानकर अनेक श्रद्धालु अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में काशी की ओर रुख करते हैं। तारा संस्थान द्वारा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परिसर में संचालित मुमुक्षु भवन ऐसे ही लोगों के लिए एक आश्रय स्थल है, जहाँ वे शांति, श्रद्धा और भक्ति के साथ अपने जीवन का शेष समय व्यतीत करते हैं। इसी मुमुक्षु भवन में रहने वाले दो आवासी श्री बद्री प्रसाद अग्रवाल और श्रीमती प्रेमा जी पाठक ने हाल ही में इसी पुण्यभूमि पर अपनी अंतिम सांस ली। राजस्थान के चूरू निवासी श्री बद्री प्रसाद जी, जिन्होंने तारा संस्थान के उदयपुर वृद्धाश्रम में नवंबर 2018 से मई 2023 तक निवास किया, उसके बाद मोक्ष की कामना से काशी स्थित मुमुक्षु भवन आए थे। वहीं बिहार की निवासी श्रीमती प्रेमा जी पाठक , जो मार्च 2023 में अपने पति शंकर जी पाठक के साथ मुमुक्षु भवन में रहने आई थीं, उन्होंने भी इसी पवित्र भूमि पर अक्टूबर 2025 में देह त्याग किया। इन दोनों आवासियों ने काशी में मोक्ष की प्राप्ति की कामना से जो जीवन यात्रा आरंभ की थी, वह यहाँ आकर पूर्ण हुई। तारा संस्थान के मुमुक्षु भवन में रहने वाले सभी आवासी इसी आस्था से जुड़े हैं कि मृत्यु यदि काशी में होती है, तो आत्मा को पुनर्जन्म के बंधन से मुक्ति मिलती है। संस्थान उनके इस दिव्य विश्वास और अंतिम इच्छा के सम्मान में उन्हें समर्पित सेवा और देखभाल प्रदान करता रहा है। तारा संस्थान उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है और यह संकल्प दोहराता है कि ऐसे लोगों के लिए तारा संस्थान का मुमुक्षु भवन सदा सेवा, श्रद्धा और मोक्ष की प्रतीक भूमि बना रहेगा।

– दीपेश मित्तल

हार तो वो सबक है, जो आपको बेहतर होने का मौका देगी

सेवा का विस्तार – तारा संस्थान ने बढ़ाया वृद्धाश्रम की ओर एक और कदम

तारा संस्थान ने हमेशा यही प्रयास किया है कि कोई भी असहाय बुजुर्ग जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेला महसूस न करे। संस्थान द्वारा उदयपुर सहित देश के विभिन्न राज्यों में दानदाताओं के सहयोग से संचालित निशुल्क वृद्धाश्रमों में हजारों बुजुर्ग आज सुकून और सम्मान के साथ जीवन बिता रहे हैं। पिछले कुछ समय से वृद्धाश्रम में रहने आने वाले बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ रही थी। स्थिति यह हो गई कि हर नए आवेदन के साथ संस्थान के सामने एक कठिन निर्णय खड़ा हो जाता — "किसे रखा जाए और किसे मना किया जाए?" लेकिन तारा संस्थान की संवेदनशील सोच ने कभी किसी को ठुकराना नहीं सीखा। इसी दुविधा के समाधान के लिए संस्थान की संस्थापक एवं अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल और संस्थापक एवं सचिव श्री दीपेश मित्तल ने यह निर्णय लिया कि जब तक नए वृद्धाश्रम की योजना और निर्माण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक तारा संस्थान के मुख्यालय की तीसरी मंज़िल पर 40 बेड की सुविधा वाला एक नया वृद्धाश्रम शुरू किया जाए। यह कदम न केवल सेवा की निरंतरता का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि तारा संस्थान हर परिस्थिति में अपने उद्देश्य "हर बुजुर्ग को स्नेह और सम्मान से भरा जीवन देना" को निभाने के लिए सदैव तत्पर है। आगे की योजना के अनुसार, दानदाताओं के सहयोग से एक नए और बड़े वृद्धाश्रम की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है, ताकि और अधिक बुजुर्गों को इस स्नेह और देखभाल के परिवार का हिस्सा बनाया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस का विशेष आयोजन

1 अक्टूबर, 2025 को तारा संस्थान उदयपुर के आनंद वृद्धाश्रम में उदयपुर जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और तारा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उदयपुर के माननीय सांसद श्री मन्ना लाल जी रावत मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। उन्होंने वृद्धाश्रम का दौरा कर वरिष्ठ निवासियों से आत्मीय मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और श्रीफल एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।

सेवा के माध्यम से स्मरण

दिल्ली निवासी प्रेरक श्रीमती सरला देवी जी ने अपने स्व. पति श्री जोगिन्दर सैनी जी की पावन स्मृति में तारा संस्थान उदयपुर के सहयोग से 21 सितम्बर 2025 को दिल्ली में निशुल्क नेत्र जाँच एवं मोतियाबिंद चयन शिविर का आयोजन करवाया। सेवा और करुणा से भरे इस शिविर में 636 लोगों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें से 28 मरीजों की आँखों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी का निशुल्क ऑपरेशन तारा संस्थान के दिल्ली अस्पताल में किया गया। इसके अतिरिक्त, 425 लोगों को पास की नजर के चश्मे तथा 350 लोगों को दवाइयाँ निःशुल्क वितरित की गईं।

शिक्षा का उच्चतम परिणाम सहनशीलता है

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) : अंधकार भरे जीवन में उम्मीद की लौ बनी गौरी योजना

सिर्फ 28 वर्ष की उम्र में ही जीवन ने उदयपुर की कविता मीणा के सामने कठिनाइयों का ऐसा पहाड़ खड़ा कर दिया, जिसकी कल्पना भी मुश्किल है। पति का साया वर्षों पहले उठ गया, और पीछे रह गए दो नन्हे बच्चे – चार साल का बेटा और छह साल की बेटी। कच्ची बस्ती की एक झोपड़ी में रहने वाली कविता का जीवन संघर्षों से भरा है। बच्चों की मासूम हंसी को ज़िंदा रखने के लिए वह दिन–रात सोचती हैं, लेकिन बच्चों की छोटी उम्र के कारण वह घर से बाहर जाकर काम नहीं कर पातीं। धीरे–धीरे घर की स्थिति इतनी खराब हो गई कि रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया। इन्हीं हालातों में उन्होंने तारा संस्थान से सहायता की गुहार लगाई। संस्थान ने उनकी परिस्थिति को समझते हुए कविता मीणा को गौरी योजना से जोड़ा। अब संस्थान,अपने दानदाताओं के सहयोग से, उन्हें हर महीने रु. 1000 की आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। इस सहयोग ने कविता के जीवन में एक नई उम्मीद जगाई है। अब उनके बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य के लिए रास्ते खुल गए हैं। कविता कहती हैं – तारा संस्थान ने सिर्फ मदद नहीं की, बल्कि मेरे बच्चों के भविष्य को संभालने की ताकत दी है। गौरी योजना आज उनके जीवन में वह दीपक बन चुकी है जो अंधकार में भी उजाला फैलाए हुए है।

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) योजना सहायता: प्रति विधवा 1 वर्ष - 12000 रु., 6 माह - 6000 रु., 1 माह - 1000 रु.

अन्नदान (तृप्ति) योजना : अंधकार में भी उम्मीद की रोशनी : रतनी बाई

जीवन कभी–कभी ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करता है जहाँ हिम्मत और धैर्य ही सबसे बड़े सहारे बन जाते हैं। 73 वर्षीय रतनी बाई की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वे बिल्कुल भी नहीं देख पातीं और जीवन की ढलती उम्र में सहारे की उम्मीद जहाँ सबसे अधिक होती है, वहीं उन्हें अकेलेपन और जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पड़ रहा है। पति के निधन के बाद उनके जीवन की कठिनाइयाँ और बढ़ गईं। एकमात्र बेटा भी असमय दुनिया से चला गया, पीछे छोड़ गया सिर्फ अपनी 8 वर्ष की मासूम बेटी और 6 वर्ष का नन्हा बेटा। बेटे की मृत्यु के बाद बहू ने दोनों बच्चों को रतनी बाई के पास छोड़ दिया और स्वयं अपना रास्ता अलग कर लिया। अब वृद्धावस्था और दृष्टिहीनता के बावजूद ये नन्हें बच्चे ही उनके जीवन का आधार हैं। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है और वह अपने ससुराल में है, ऐसे में रतनी बाई और इन मासूम बच्चों के पास कोई सहारा नहीं बचा। आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि रोज़मर्रा का गुज़ारा करना भी बहुत कठिन हो गया। ऐसे समय में तारा संस्थान ने आगे बढ़कर रतनी बाई को अपनी "तृप्ति योजना" से जोड़ा। इस योजना के अंतर्गत हर महीने उन्हें खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाती है, ताकि कम से कम भोजन की चिंता से वे और उनके पोते–पोती मुक्त रह सकें। रतनी बाई की आँखें भले ही दुनिया का उजाला न देख पाती हों, लेकिन तारा संस्थान के दानदाताओं के सहयोग ने उनके जीवन में उम्मीद और सुकून की एक नई रोशनी जरूर जलाई है। तृप्ति योजना का उद्देश्य है कि कोई भी बुजुर्ग अकेलेपन और भूख की मार न झेले। यह योजना उन वृद्धजनों के लिए सहारा बन रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिनके पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं है। रतनी बाई की कहानी इस बात का प्रमाण है कि करुणा और सहयोग से किसी का जीवन बदल सकता है।

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता: 1 वर्ष - 18000 रु., 6 माह - 9000 रु., 1 माह - 1500 रु.

भारत के 15वें उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन जी का सम्मान

“ तारा संस्थान के संरक्षक श्री सत्यभूषण जी जैन ने श्री सी. पी. राधाकृष्णन जी को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बनने पर बधाई देकर सम्मान किया। ”

सेवा ही संकल्प – मोदी @75

17 सितम्बर, 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 75वें जन्मदिन पर सेवा शिविर तारा संस्थान उदयपुर द्वारा दिल्ली के रामलीला मैदान में निःशुल्क आँखों की जाँच व मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन शिविर आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि : श्रीमती स्मृति ईरानी जी (पूर्व केंद्रीय मंत्री) अध्यक्षता : श्री प्रवीण खंडेलवाल जी (चांदनी चौक, सांसद)।

जब शिक्षा ने बदली दो बहनों की दुनिया

उदयपुर की गलियों में कबाड़ बीनने वाले एक परिवार की दो नन्हीं जुड़वाँ बेटियाँ, मनीषा और अंजलि, उम्र मात्र 11 वर्ष। पिता कबाड़ी का काम करते हैं और माँ लोगों के घरों में साफ–सफाई का काम करके घर चलाती हैं। जीवन की परेशानियों में उलझे इस परिवार के लिए शिक्षा कभी प्राथमिकता नहीं रही। उनका मानना था कि पढ़ाई–लिखाई से पेट नहीं भरता। लेकिन तभी तारा संस्थान की टीम मस्ती की पाठशाला के लिए सर्वे के दौरान उनके घर पहुँची। टीम ने माता–पिता को समझाया कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि यह बच्चों के भविष्य की नींव है, एक उज्जवल कल की चाबी है। कई बैठकों और बातचीत के बाद, माता–पिता आखिरकार मान गए और दोनों बच्चियाँ मस्ती की पाठशाला से जुड़ गईं। आज मनीषा और अंजलि की दुनिया बदल चुकी है। वे अब न केवल पढ़ना–लिखना सीख रही हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, स्वच्छता और अनुशासन की भावना भी आई है। रोजमर्रा की उनकी आदतों में स्पष्ट परिवर्तन देखा जा सकता है, यही है शिक्षा का असली असर। मस्ती की पाठशाला ने इन दोनों के जीवन में नई रौशनी भर दी है। अब ये बच्चियाँ कहती हैं, "हम भी बड़े होकर शिक्षिका बनना चाहती हैं, ताकि दूसरे बच्चों को भी पढ़ा सकें।" तारा संस्थान के प्रयास से दो नन्हें जीवन अब उजाले की राह पर हैं, जहाँ कभी अभाव था, वहाँ अब आशा है।

शरद पंचमी पर बच्चों के लिए विशेष वितरण

13 सितम्बर, 2025 को श्राद्ध पक्ष के अवसर पर शरद पंचमी के दिन, तारा संस्थान की मस्ती की पाठशाला में दानदाता के सहयोग से बच्चों को दूध और जलेबी वितरित की गई। इस छोटे परंतु स्वादिष्ट आयोजन ने बच्चों के चेहरे पर खुशियाँ बिखेर दीं।

मस्ती की पाठशाला में जादू का तमाशा!

14 अक्टूबर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा आयोजित मस्ती की पाठशाला में उदयपुर के मशहूर जैन जादूगर ने बच्चों को अपने हैरतअंगेज जादू से मंत्रमुग्ध कर दिया! रंग–बिरंगे करतबों और चौंका देने वाले जादू के खेलों ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आश्चर्य बिखेरा।

मजदूरों के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 6000/- प्रति वर्ष

उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल – लोनी (गजियाबाद)

अन्तर्गत : तारा संस्थान – उदयपुर (राज.)

जो एकल माताओं (जिनके पति की मृत्यु हो गई है या जो अपने पति से अलग रह रही है) के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था करता है एवं साथ ही निर्धन परिवार के बच्चों के लिए आंशिक शुल्क के साथ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की व्यवस्था करता है।

माँ के हौसले और तारा की रोशनी से जगमगाता शौर्य का भविष्य

शौर्य, जिसकी उम्र मात्र 8 वर्ष है, तारा संस्थान द्वारा लोनी, गाज़ियाबाद में संचालित उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल की पहली कक्षा का होनहार छात्र है। बचपन में ही इसने वह दुःख झेला है जो कई बार बड़े–बड़ों को भी तोड़ देता है – शौर्य के पिता का निधन सड़क दुर्घटना में हो गया था। उस हादसे के बाद इसकी माँ पर पूरे परिवार की ज़िम्मेदारी आ गई। माँ ने कभी हार नहीं मानी, ससुराल की ओर से कोई सहारा नहीं मिला और मायके में भी मदद का कोई हाथ नहीं था फिर भी उन्होंने सिलाई का काम शुरू किया ताकि बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च किसी तरह चलता रहे। इन्हीं कठिन परिस्थितियों में किसी ने इन्हें तारा संस्थान के विद्यालय के बारे में बताया। जब इन्हें पता चला कि यह स्कूल एकल माताओं के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है, तो उन्होंने तुरंत संपर्क किया। संस्थान ने शौर्य और उसकी बहन दोनों को अपने विद्यालय में प्रवेश दिया, जहाँ इन्हें पढ़ाई के साथ–साथ सभी आवश्यक सुविधाएँ पूरी तरह निःशुल्क दी जा रही हैं। आज शौर्य अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है। उसकी मुस्कान और माँ की आँखों में झलकता सुकून इस बात का प्रमाण है कि जब सहयोग की रोशनी मिलती है, तो जीवन की सबसे गहरी अंधेरी रात भी उजाले में बदल जाती है।

एकल माताओं के बच्चों के लिए दान राशि 12,000/- प्रतिवर्ष एक बालक / बालिका के लिए पूर्णतया निःशुल्क
निर्धन परिवार के बच्चों के लिए 6000/- प्रतिवर्ष एक बालक / बालिका

ऐसे काम करो जिससे लोगों को लगे कि आपको जीतने की आदत है

श्राद्ध पक्ष

श्राद्ध पक्ष के पावन अवसर पर तारा संस्थान के सभी 6 वृद्धाश्रमों में दानदाताओं द्वारा विशेष सहयोग किया गया। अपने पितरों की स्मृति को समर्पित करते हुए कई दानदाताओं ने न केवल बुजुर्गों के भोजन का संपूर्ण दायित्व निभाया, बल्कि स्वयं वृद्धाश्रम आकर अपने हाथों से आवासियों को स्नेहपूर्वक भोजन भी परोसा। इस अवसर पर भोजन वितरण के साथ–साथ गौसेवा भी की गई। दानदाताओं ने श्रद्धा भाव से गायों को भोजन खिलाया और सेवा तथा पुण्य का यह कार्य और भी पवित्र बन गया। बुजुर्गों के चेहरे पर संतोष और खुशी की झलक ने यह सिद्ध कर दिया कि पितरों की स्मृति में किया गया दान केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज में अपनापन और करुणा जगाने का माध्यम भी है। तारा संस्थान उन सभी दानदाताओं का हृदय से धन्यवाद।

नवरात्रि उत्सव की रंगीन झलकियाँ

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम के वरिष्ठजनों ने नवरात्रि के पावन अवसर पर गरबा कर उल्लास और भक्ति से भरा उत्सव मनाया।

नवरात्रि के अवसर पर कन्या भोजन

तारा संस्थान के शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में दानदाताओं के सहयोग से नवरात्रि के अवसर पर कन्या भोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को भोजन करवाकर सम्मानित किया गया और उन्हें उपहार भी प्रदान किए गए।

मोतियाबिंद से मुक्ति की मुस्कान : निःशुल्क नेत्र शिविर ने बदल दी तेजा देवी की दुनिया

ऑपरेशन से पहले

ऑपरेशन के बाद

सिरोही की 75 वर्षीय तेजा देवी पिछले पाँच महीनों से धुंधली दृष्टि की परेशानी झेल रही थीं। उम्र के साथ बढ़ती तकलीफ़ ने उनके जीवन को और कठिन बना दिया, लेकिन अस्पताल जाने के डर से उन्होंने कभी डॉक्टर को नहीं दिखाया। इसी बीच तारा संस्थान द्वारा सिरोही ज़िले में लगाए जा रहे निःशुल्क नेत्र–जाँच शिविर की श्रृंखला के अंतर्गत एक दिन उनके गाँव में भी कैंप लगा। परिवार और पड़ोसियों के कहने पर तेजा देवी ने हिम्मत जुटाई और अपनी आँखों की जाँच करवाई। जाँच में पता चला कि उनकी आँखों में मोतियाबिंद है। संस्थान की टीम ने तुरंत उन्हें साधन उपलब्ध कराकर उदयपुर में संचालित तारा संस्थान के अस्पताल लाए और अगले दिन उनका ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन सफल रहा और धीरे–धीरे उनकी आँखों की रोशनी लौट आई। ऑपरेशन के बाद जब हमारी टीम ने तेजा देवी से बात की, तो उनके चेहरे पर वर्षों बाद सच्ची मुस्कान झलक रही थी। उन्होंने कहा : ''अस्पताल जाने का डर भी खत्म हो गया और बिना खर्च किए इतनी दूर आकर फ्री में ऑपरेशन भी हो गया। सबसे बड़ी खुशी ये है कि अब मुझे साफ दिखाई देने लगा है।'' तेजा देवी की कहानी न केवल स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि सही समय पर सही मदद कैसे किसी का जीवन बदल सकती है।

31 अक्टूबर, 2025 तक कुल ओपीडी 3453622, कुल ऑपरेशन 183879

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन):
17 ऑपरेशन 59500 रु., 9 ऑपरेशन 31500 रु., 6 ऑपरेशन 21000 रु., 3 ऑपरेशन 10500 रु., 1 ऑपरेशन 3500 रु.

RGHS

Rajasthan Government Health Scheme

तारा नेत्रालय उदयपुर में अब RGHS की सुविधा भी उपलब्ध जहाँ राज्य सरकार के कर्मचारी भी अपना या अपने परिजनों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करा सकते हैं और RGHS में मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

RGHS सुविधा की शुरुआत 14 दिसम्बर, 2024 से एवं 31 अक्टूबर, 2025 तक ओपीडी 713, ऑपरेशन 148

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है – धीरूभाई अंबानी

नया आशियाना, नई उम्मीदें – हमारे नए बुजुर्ग साथियों की कहानी

संघर्ष से सुकून तक – कमला बाई की जीवन यात्रा

कहते हैं, माँ का जीवन त्याग और संघर्ष का दूसरा नाम होता है कृ और 80 वर्षीया कमला बाई की कहानी इस बात का सजीव उदाहरण है। उदयपुर की रहने वाली कमला बाई का जीवन कभी खुशियों से भरा हुआ था। उनके पति स्वर्णकार के यहाँ सोने के आभूषण बनाने का काम करते थे, जिससे परिवार का गुजारा आराम से चलता था। पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। लगभग 45 साल पहले, बीमारी ने उनके पति को उनसे हमेशा के लिए छीन लिया। उस समय उनकी सबसे बड़ी बेटी मात्र 4 साल की थी, छोटी 2 साल की और बेटा सिर्फ 7 साल का। पति के जाने के बाद मानो उनकी दुनिया ही उजड़ गई। लेकिन यही वह पल था जब कमला बाई ने खुद को नहीं टूटने दिया, बच्चों के भविष्य के लिए उन्होंने हर मुश्किल का सामना किया। पति की मृत्यु के बाद ससुराल वालों ने उनसे उनकी जमा पूंजी तक छीन ली और घर से निकाल दिया। न पढ़ी–लिखी, न कोई सहारा, पर हिम्मत और माँ का ममत्व उनके साथ था। जीवन की गाड़ी चलाने के लिए उन्होंने कभी लोगों के घरों में खाना बनाया, तो कभी मेलों में सफाई का काम किया। दिन–रात मेहनत कर उन्होंने अपने तीनों बच्चों को पाला–पोसा और उन्हें जीवन जीने लायक बनाया। लेकिन वक्त बीतने के साथ परिस्थितियाँ फिर बदल गईं। पति की अनुपस्थिति में जिस घर को उन्होंने संघर्षों से सजाया था, उसी घर में अब उनके लिए जगह छोटी पड़ने लगी। किराए के मकान में बेटे और बहू के साथ रहते हुए अब उनका जीवन असहज और अपमान से भरा हो गया था। बहू का व्यवहार लगातार कठोर होता गया और बेटी, जो खुद विधवा हैं, कोई सहारा नहीं बन सकीं। आखिरकार, थककर, टूटकर, और फिर से खुद के सम्मान को बचाने के लिए कमला बाई ने तारा संस्थान के वृद्धाश्रम में आने का निर्णय लिया। यहाँ आकर उन्होंने फिर से जीने की एक नई वजह पाई। अपने जैसे हमउम्र साथियों के बीच उन्हें अपनापन और सुकून मिला। अब उनके चेहरे पर मुस्कान है और मन में शांति। वे कहती हैं – "अब मन को चैन है... यहाँ कोई मुझे बोझ नहीं समझता, बल्कि अपने जैसा समझता है।" तारा संस्थान का हमेशा यही प्रयास रहा है की अपने दानदाताओं के माध्यम से परिवार से वंचित बुजुर्गों को एक नया परिवार दे सके और उन्हें उनके जीवन के अंतिम समय में शांति पूर्वक जीने का माहौल प्रदान कर सके।

अकेलेपन से अपनापन तक

जीवन के सत्तरवें दशक में कदम रखते हुए अर्जुन दास जी ने शायद सोचा भी नहीं था कि एक दिन उन्हें अपने ही जीवन की किताब का इतना कठिन अध्याय पढ़ना पड़ेगा। मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अर्जुन दास जी ने अपनी मेहनत और लगन से किराये की एक छोटी सी जगह पर पान मसाले का व्यापार खड़ा किया था। यह दुकान ही उनकी रोज़ी–रोटी का साधन थी और इसी के सहारे उन्होंने अपने परिवार की परवरिश की। लेकिन वक्त के साथ हालात बदलते गए। दुकान की जर्जर दीवारें उनके संघर्ष की कहानी कहती थीं, और एक दिन जब मकान मालिक ने वह जगह खाली करवा ली, तो मानो उनकी जिंदगी की एक ठहर चुकी धुन और भी धीमी हो गई। बढ़ती उम्र, सर्वाइकल की तकलीफ और शरीर की थकान ने उन्हें दोबारा से काम शुरू करने की हिम्मत नहीं दी। घर में दो बेटे थे, लेकिन हर किसी की अपनी मजबूरी थी। बड़ा बेटा भोपाल में ही अलग किराये के घर में रहता था और अपनी सीमित आय में परिवार का खर्च मुश्किल से संभाल पा रहा था। छोटा बेटा साउथ अफ्रीका में काम करता है, लेकिन माँ के इलाज और घरेलू ज़रूरतों के लिए उठाए गए कर्ज़ ने उसकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा दी थी। अप्रैल 2025 में जब अर्जुन जी की जीवनसंगिनी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हुआ, तो वे पूरी तरह अकेले पड़ गए। एक जीवनसाथी के जाने के साथ, घर की दीवारें भी जैसे मौन हो गईं। इसी बीच उनके छोटे बेटे को उदयपुर स्थित तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम के बारे में पता चला। उसने संस्थान से संपर्क किया और अर्जुन जी को यहाँ लाकर ठहराया गया। धीरे–धीरे अर्जुन जी को यहाँ के वातावरण में सुकून मिला – जहाँ न कोई आर्थिक बोझ है, न अकेलेपन की चुप्पी। यहाँ उन्हें अपने जैसे साथी मिले, जो जीवन के संध्या काल में एक–दूसरे के सहारे बन गए हैं। आज अर्जुन दास जी कहते हैं – "ज़िंदगी ने बहुत कुछ छीना, लेकिन यहाँ आकर फिर से अपनापन मिल गया। अब मन को शांति है कि बाकी सफर सुकून से कटेगा।" तारा संस्थान के दयालु दानदाताओं ने एक बार फिर यह साबित किया है कि जहाँ परिवार और समाज की सीमाएँ थम जाती हैं, वहीं मानवता अपना हाथ बढ़ाती है।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
1 वर्ष - 60000 रु., 6 माह - 30000 रु., 1 माह - 5000 रु.	4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

अगर आप सफल होना चाहते हो तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी – बिल गेट्स

शिक्षा का दीप जलाने वालों को सम्मान

5 सितम्बर, 2025 को शिक्षक दिवस के अवसर पर तारा संस्थान द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले मौजूदा शिक्षक, सेवा–निवृत्त शिक्षक तथा वृद्धाश्रम में निवास कर रहे शिक्षक आवासियों को दुपट्टा पहनाकर और सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम गुरुजनों के योगदान और उनके अमूल्य मार्गदर्शन को नमन करने का प्रयास रहा।

आनंद वृद्धाश्रम में एल्डर केयर डे

8 सितम्बर, 2025 को तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में एल्डर केयर डे मनाया गया। इस अवसर पर बुजुर्गों के स्वास्थ्य, देखभाल और उनके प्रति सम्मान के महत्व को विशेष रूप से साझा किया गया। कार्यक्रम ने सभी को बुजुर्गों की सेवा और स्नेह की भावना से जोड़ने का संदेश दिया।

टाइम बैंक ऑफ इंडिया का विशेष सहयोगी कार्यक्रम

14 सितम्बर, 2025 को टाइम बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा तारा संस्थान के वृद्धाश्रम में आवासियों के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर समय साझा किया, बातचीत की और बुजुर्गों को स्नेह व अपनापन का अहसास कराया।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस

15 सितम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा संचालित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। बच्चों ने कविता, कहानी वाचन और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व को उजागर किया।

राजस्थान पेंशनर्स समाज, भदेसर (चित्तौड़गढ़) के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह

18 सितम्बर, 2025 को चित्तौड़गढ़ के भदेसर में तारा संस्थान द्वारा राजस्थान पेंशनर्स समाज के 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों को पगड़ी, दुपट्टा और सम्मान पत्र भेंट कर उनके जीवन अनुभव और समाज के प्रति योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया।

दिल्ली में 76वाँ नेत्र जाँच एवं मोतियाबिंद चयन शिविर

28 सितम्बर, 2025 को अनुकम्पा सेवा संघ और तारा संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली में 76वाँ निशुल्क आँखों की जाँच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मॉडल टाउन, दिल्ली के विधायक श्री अशोक गोयल देवरा रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने शिविर का लाभ उठाया।

एक अच्छा दिमाग और एक अच्छा दिल हमेशा से विजयी जोड़ी रहे है – नेलसन मंडेला

वरिष्ठ जन सम्मान समारोह – बेगूँ

5 अक्टूबर, 2025 को तारा संस्थान, उदयपुर और महावीर इंटरनेशनल अहिंसा वीर एवं पेंशनर्स समाज के संयुक्त तत्वावधान में बेगूँ (चित्तौड़गढ़) में वरिष्ठ जन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में 70 वर्ष से अधिक आयु के 100 से अधिक बुजुर्गों का सम्मान किया गया। तारा संस्थान का उद्देश्य है – "समाज के उन स्तंभों को सम्मान देना, जिनकी जीवन यात्रा ने हमें दिशा दी है।"

तारा संस्थान और एस.बी.आई. एफ. के संयुक्त प्रयास से सिरोही जिले के पोसालिया गाँव में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

8 अक्टूबर, 2025 को इस शिविर में 225 ग्रामीणों की आँखों की जांच की गई, जिनमें से 55 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी का निःशुल्क ऑपरेशन तारा संस्थान के उदयपुर स्थित नेत्र अस्पताल में किया जाएगा।

स्कूल के बच्चों की सार्थक दिवाली वृद्धाश्रम आवासियों के साथ

11 अक्टूबर, 2025 को तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में इस बार दिवाली का उत्सव खास रहा – मिरांडा स्कूल के बच्चों ने बुजुर्गों के साथ मिलकर मनाई यादगार दिवाली। एक ऐसी दिवाली – जहाँ पीढ़ियाँ नहीं, दिल जुड़े।

वृद्धाश्रम में बी.एन. विश्वविद्यालय के सामाजिकी एवं मानविकी संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन

14 अक्टूबर, 2025 को दिवाली महोत्सव के अंतर्गत तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में बी.एन. विश्वविद्यालय के सामाजिकी एवं मानविकी संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब मीरा ने वृद्धाश्रम में मनाया दिवाली उत्सव

17 अक्टूबर, 2025 को रोटरी क्लब मीरा द्वारा तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में दिवाली उत्सव के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ विविध मनोरंजक खेल और गतिविधियाँ आयोजित कीं। सभी आवासियों ने पूरे उत्साह और आनंद के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम का वातावरण खुशी, हंसी और अपनत्व से भर गया।

मस्ती की पाठशाला में अनोखा जन्मदिन उत्सव

तारा संस्थान द्वारा संचालित मस्ती की पाठशाला में एक दानदाता ने अपने बच्चे का जन्मदिन वहां पढ़ने आने वाले बच्चों के साथ मनाया। बच्चों ने मिलकर गीत गाए, खेल खेले और केक काटकर खुशी साझा की। इस विशेष अवसर ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी और दानदाता परिवार के लिए यह जन्मदिन सच्चे अर्थों में यादगार बन गया।

मोतियाबिन्द जाँच – ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह सितम्बर से अक्टूबर, 2025 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर : भार्गव साहब – दिल्ली, चेतना इंडिया, अहमदाबाद, डीबीसीएस, जैन धर्मार्थ अस्पताल – नासिक, श्री जितेंद्र नंदा, श्री कैलाश चन्द्र गोयल, कमल मॉडल पब्लिक स्कूल – दिल्ली, मालाश्री फाउंडेशन – दिल्ली, एनपीसीबी, पिनेकल कैपिटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड – गुड़गाँव, प्रधान हार्डवेयर – लोनी, श्रीमती सुषमा – सत्यभूषण जैन – दिल्ली, एसबीआई फाउंडेशन, श्री चिरंजी लाल जैन – पंजाब, श्री महेन्द्र सिंह – उदयपुर, एस.एस. जैन श्रावक संघ – बैंगलोर, श्रीमती नीलम द्विवेदी – बैंगलोर, श्री हरिश चन्द्र जैन – जयपुर, श्री संजय जी – गोरखपुर

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना : 8000 रुपये

तारा संस्थान, उदयपुर की यह विशेष पहल उन परिवारों के लिए समर्पित है जो अपने दिवंगत परिजनों की पुण्यतिथि पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते हैं। इस योजना के अंतर्गत, परिवारजन 8,000 रुपये का योगदान देकर संस्थान के वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए भोजन सेवा का आयोजन कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर दिवंगत आत्मा की तस्वीर प्रदर्शित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे, जिससे उनकी यादें और आशीर्वाद इस कार्य के माध्यम से जीवित रहेंगी। यह एक अद्वितीय अवसर है अपने प्रियजन की स्मृति को सेवा और मानवता के रूप में सम्मानित करने का।

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के इन दानदाताओं का स्वर्गवास हो गया। तारा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि।
हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व उनके परिवार को सम्बल प्रदान करें।

स्व. श्रीमती राजबाला जी जैन

स्व. श्री विद्या प्रकाश बंसल
मोगा (पंजाब)

स्व. श्री अशोक कुमार जी नाहर

स्व. डॉ. राम आशीष सिंग
औरंगाबाद (बिहार)

स्व. श्रीमती इन्द्रा देवी जी जैन
अहमदाबाद (गुज.)

स्व. श्रीमती संध्या जी करमकर
रतलाम (म.प्र.)

स्व. श्रीमती सरोज जी दुबे
रायपुर (छत्तीसगढ़)

आदरणीय,

आपने वित्तीय वर्ष 2025-2026 में तारा संस्थान में दान देकर कई जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत पहुँचाई। आपका अनेक धन्यवाद। अतः आपसे निवेदन है कि INCOME TAX के नियमानुसार यदि आप TAX में छूट चाहते हैं तो आपका PAN NO. संस्थान को देना जरूरी है। इसे हम अपने INCOME TAX RETURN के 10 BD में सूचित करेंगे तो ही आपको छूट मिलेगी। यदि आप छूट ना भी लेना चाहें तो आप निम्न में से कोई भी ID दे देवें।

• VOTER ID • AADHAR CARD • RASHAN CARD • PASSPORT •

यह भारत सरकार के नियमानुसार अनिवार्य है। कृपया आप इस व्हाट्सएप्प नम्बर 9549399993 पर सूचित करावें।

आदर सहित....!

कल्पना गोयल

शब्द ही जीवन को अर्थ दे जाते है, और, शब्द ही जीवन में अनर्थ कर जाते है

'तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया'

श्री खेमराज जैन, सूरज (गुज.) | श्री गौतम कुमार दक, सूरत (गुज.) | अक्षत कुकरेती, देहरादून | श्री मनीष जैन, नीमच (म.प्र.) | श्री माणक लाल कटारिया, रतलाम | श्री कैलाशपति केडिया, अहमदाबाद | श्री हरगोविन्द अग्रवाल, अहमदाबाद | श्री मुरलीधर काजरीवाल, गोरखपुर

श्री सुभाष चन्द्र बंसल, लुधियाना | श्रीमती मीना सूद, लुधियाना | श्री विश्वनाथ श्रीवास्तव, गोरखपुर | श्री अतिन अग्रवाल, आगरा | श्रीमती सरोज गुप्ता, गाजियाबाद | श्री श्याम सुन्दर नारंग, होशियारपुर (पंजाब) | श्रीमती हेमंत कुमारी शर्मा, जोधपुर | श्री विकास ग्रवाल, दिल्ली

श्री नवीन अजमेरा, जयपुर | श्री राकेश कुमार खरे, लखनऊ | श्री दीपक मेहता, जालंधर (पंजाब) | श्री हरक लाल भाला, जयपुर | श्री पुनीत बत्रा, नाभा (पंजाब) | डॉ. लक्ष्मी चन्द मदन, नाभा (पंजाब) | श्रीमती वीना शर्मा, नोएडा | श्री बलदेव प्रसाद, बिलासपुर (छ.ग.)

अमय गुप्ता, लुधियाना (पंजाब) | श्री अशोक कुमार बंसल, मोगा (पंजाब) | श्री नेमकुमार जैन, पंचकुला (हरि.) | श्री खजान सिंह गुलिया, रोहतक (हरि.) | श्री अमित बजाज, लुधियाना | श्री मंगलेश कुमार गर्ग, गाजियाबाद | श्री नवनीत शर्मा, जालंधर (पंजाब) | श्रीमती मधु शिवराजन, जोधपुर

डॉ. आर.के. कालरा, दिल्ली | श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव, बिलासपुर (छ.ग.) | श्री अशोक भूटानी, दिल्ली | श्री लीलू राम भारद्वाज, दिल्ली | डॉ. ओम प्रकाश शास्त्री, जयपुर | श्रीमती अरुणा रानी जी, गाजियाबाद | श्रीमती आशा चौधरी, गाजियाबाद | श्री अम्बिका प्रसाद मिश्रा, लखनऊ

श्रीमती एवं श्री पेमाराम सुथार, जोधपुर | श्री लोकेश चन्द्र गुप्ता - श्रीमती कमलेश गुप्ता | श्री चन्दर शेखर - श्रीमती रिता भारद्वाज, धर्मशाला (हि.प्र.) | श्रीमती एवं श्री सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल

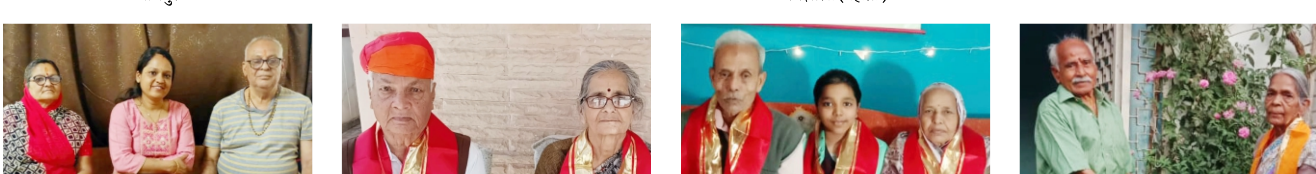

श्रीमती दुर्गा देवी, पुत्री रेखा लाहोटी, श्री जगदीश प्रसाद करनानी, सूरत | श्रीमती एवं श्री तेज कुमार शेट्टी, जयपुर | श्रीमती एवं श्री इन्द्रपाल गंगवार, बरेली (उ.प्र.) | श्री एवं श्रीमती निरुपमा मिश्रा, प्रयागराज (उ.प्र.)

जितने वाले कुछ अलग चीज़े नहीं करते बस वो चीज़ो को अलग तरीके से करते हैं

‘तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया’

श्री नरेश सचदेव - श्रीमती स्वर्ण सचदेव
कानपुर

श्रीमती मंजू माथुर - श्री नरेन्द्र कुमार जी
इंदिरापुरम, गाजियाबाद

श्री श्याम लाल - श्रीमती बिंता देवी जी
लुधियाना

श्रीमती लेखराज जी - श्रीमती सविता जी
पटियाला (पंजाब)

श्रीमती शशिकांत - श्री विनोद कुमार वर्मा
दिल्ली

प्रधान टेंट डेकोरेटर्स
जयपुर

श्रीमती रेखा नारंग - श्री दुर्गेश नारंग
गुरुग्राम (हरि.)

श्रीमती सविता पुरी - श्री प्रेम पुरी
जनकपुरी, दिल्ली

श्री नितिन जैन एवं माता श्रीमती राज रानी जैन

माता श्रीमती राजदुलारी जी एवं पुत्र श्री मदन मोहन जी
जयपुर

श्री निवास तायल एवं अयांश तायल
दिल्ली

पोपरेसर श्रीमान राधेश्याम सोनी (सेवानिवृत्त)
मन्दसौर पर सम्मान किया

प्यारी माँ

परिवार को सम्हालती हैं माँ,
दु:ख सुख में संवारती हैं माँ,
लोरी गाके सुनाती हैं माँ,
मेरे हर दर्द की दवा हैं माँ।
बिना किसी स्वार्थ के प्यार देती हैं माँ,
उदास होती हूं तो हंसा देती हैं माँ,
जिंदगी को आसान कर देती हैं माँ,
जब खुश होती हूं तो फूली नहीं समाती हैं माँ।
रूठ जाती हूं तो मनाती हैं माँ,
ठोकर लग जाती है तो दवाई लगाती हैं माँ,
जख्मों को भुलाकर मरहम लगा देती हैं माँ।
ममता की मूरत भी तुम ही हो माँ,
उंगली पकड़कर चलना भी तुमने सिखलाया माँ,
मेरे जीवन की सच्चाई भी तुम ही हो माँ।
मेरी प्रेरणा भी तुम ही हो माँ।
मैं तुमको वंदन करती माँ,
तुम्हारे चरणों में शीश झुकाती माँ।
ओ मेरी प्यारी माँ,
तुम हो जग से निराली माँ।

डॉक्टर अनीता मेहता, कानपुर (उ.प्र.)

मुझे आज भी याद है, जब मैं छोटा था और छुट्टियों में बड़ी मम्मी के साथ जयपुर में उनके स्कूल जाया करता था। वो एक सादी सी इमारत थी, छोटा सा क्लासरूम था, सब बच्चे ज़मीन पर बैठते थे। स्लेट और चाक होती थी नोटबुक की जगह। मुझे याद हैं वर्ण माला का पाठ और हिंदी की गिनती। बड़ी मम्मी प्यार से सभी बच्चों को सिखाती थी । आज उनके नाम पर स्कूल का उद्घाटन मेरे लिए भावनात्मक स्मृति का जीवंत हो जाना है। यह स्कूल एक श्रद्धांजलि है उनके बच्चों के प्रति प्रेम, शिक्षण और संस्कारों की उस विरासत को, जो अब आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचेगी।

कुणाल (बड़ी मम्मी), न्यू यॉर्क

यदि मंज़िल न मिले तो रास्ते बदलो ! क्योंकि वृक्ष अपनी पत्तियाँ बदलते हैं जड़े नहीं

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS CONTACT NUMBER LIST

Area Delhi Cell : 7821855747	**Area Delhi** Cell : 7821055717	**Area Delhi** Cell : 7821855741
Area Mumbai Cell : 7821855738	**Area Mumbai** Cell : 7821855751	**Area Jaipur (Raj.)** Cell : 9983560006
Area Lucknow (UP) Cell : 9358300777	**Area Punjab** Cell : 7821055718	**Area Jodhpur, Kanpur** Cell : 9001324709
Area Surat (Guj.) Cell : 7821855726	**Area Hyderabad** Cell : 7821855746	**Area Noida, Ghaziabad** Cell : 7821855750
Area Chandigarh (HR) Cell : 7821855756	**Area Nagpur, Pune** Cell : 7821855736	**Area Karnatak** Cell : 7230066286
Area Gurgaon, Faridabad Cell : 7821855758	**Area Raipur, Durg, Bilaspur (C.G.), Patna (Bihar)** Cell : 8696696345	
Area Uttarakhand Cell : 7229852227	**Area Ahmedabad (Guj.), Ratlam, Mandsaur, Neemuch (MP)** Cell : 7821855745	

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . A/c No. 004501021965. . . . . . . IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India. . . . A/c No. 31840870750 . . . . IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank. . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . A/c No. 912010025408491. . . IFSC Code : UTIB0000097
HDFC Bank. . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India . A/c No. 3309973967 . . . . IFSC Code : CBIN0283505
Punjab National Bank. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : PUNB0874300
Bank of Baroda . . . . A/c No. 30250100014174 . . . . IFSC Code : BARB0HIRANM

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Shri Sachin Bhatia Eye Hospital - Udaipur (Under Tara Sansthan, Udaipur)
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)-313002, Mob. No. 7821855749

Nirmala Devi Goyal Charitable Eye Hospital - Delhi (Under Tara Netralaya, Delhi)
371, Main Najafgarh Road, Opposite Metro Pillar No. 724, Nawada, Uttam Nagar, New Delhi-110059
Mob. No. 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
2nd Floor, Sneh Crown, Near Apna Ghar Phase - 3, Kala Silk, Silvar Sarita, Meera Village, Kashimira, Thane-401107 (Maharashtra)
Mob. No. 7821855748, 9529285557

Tara Netralaya - Faridabad
3 E / 12 & 13, Bungalow Plot, Pulia No. 3, Masjid Road, Near Church, Main Road, N.I.T. 3, Faridabad (HR)
Mob. No. 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney, Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road, Banthla Loni, Gaziabad-201102 (U. P.)
Mob. No. 7821855757

Smt. Krishna Sharma Anand Vruddhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House) Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. No. 7821055720

Maa Draupadi Devi Anand Vruddhashram - Udaipur
#351/352, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House) Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. No. 9773385330

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram - Balicha
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur 313001
Mob. No. 7229852229

Ravindra Nath Gaur Anand Vruddhashram - Prayagraj
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Prayagraj - 211002 (U.P.), Mob. No. 7821855755

Mumukshu Bhawan - Varanasi
Ganga Ghat Gate No. 1, Near Neelkanth Temple, Kashi Vishvanath Corridor, Varanasi (U.P.)
Mob. No. 7230073331

Shikhar Bhargava Public School - Udaipur
H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.), Mob. No. 9636016973

Uma Rani Goyal Public School - Loni
Plot No. 24A, Ram Vihar Colony, Loni, Ghaziabad (U.P.)
Mob. No. 9549399993

Masti Ki Pathshala - Udaipur
68, Satyadev Colony 2, Sector 9, Kachi Basti, Savina, Udaipur (Raj.), Mob. No. 9829652908

यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी प्रत्येक भूल कुछ न कुछ सीखा देती है

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, सितम्बर - अक्टूबर 2025
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2021-2023
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन विशिष्ठ संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 3 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन सदस्य 11000 रु.

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 59500 रु., 9 ऑपरेशन - 31500 रु.,
6 ऑपरेशन - 21000 रु., 3 ऑपरेशन - 10500 रु.,
1 ऑपरेशन - 3500 रु.

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री

1 वर्ष - 18000 रु., 6 माह - 9000 रु., 1 माह - 1500 रु.

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) प्रति विधवा

1 वर्ष - 12000 रु., 6 माह - 6000 रु., 1 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

1 वर्ष - 60000 रु., 6 माह - 30000 रु., 1 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन

4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना

8000 रु.

मस्ती की पाठशाला

वार्षिक शिक्षा 6000 रु. एवं भोजन 3000 रु. (60 बच्चे / 1 समय)

उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल, लोनी (गाजियाबाद)

12000 रु. प्रति विद्यार्थी वार्षिक शिक्षण सहयोग

काशी विश्वनाथ में 50 निर्धनों को भोजन दान 2100 रु.

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI BANK (MADHUBAN)
A/c No. 004501021965 IFSC Code : ICIC0000045

STATE BANK OF INDIA
A/c No. 31840870750 IFSC Code : SBIN0011406

AXIS BANK
A/c No. 912010025408491 IFSC Code : UTIB0000097

HDFC
A/c No. 12731450000426 IFSC Code : HDFC0001273

PUNJAB NATIONAL BANK
A/c No. 8743000100004834 IFSC Code : PUNB0874300

BANK OF BARODA
A/c No. 30250100014174 IFSC Code : BARB0HIRANM

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

Donation Through UPI

FOLLOW US

www.instagram.com/tarasansthan
www.facebook.com/TaraSansthan
www.youtube.com/@TaraSansthanNGO
www.x.com/sansthantara
www.linkedin.com/company/tara-sansthan

काशी विश्वनाथ कोरीडोर में तारा संस्थान द्वारा संचालित मुमुक्षु भवन के बुजुर्गों के एक समय के भोजन हेतु दान सहयोग राशी 3100 रु.

Tara
TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
+91 9549399993
+91 9649399993

बुक पोस्ट

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org, Website : www.tarasansthan.org